दिया। फोटो गराफर भी बड़ा होशियार था। अब समझता हूँ वाह:- जिसकी हम पूजा करतेथे वो ...
वहां थोड़ेई लक्ष्मी ऐसे बैठ कर पांव दबावेगी। यह रसम रिवाज़ वहां है नही। यह रसम रावण राज्य की है।
इस चित्र में सारी नालेज है। ऊपर में त्रिमूर्ती भी है। इस नालेज को सारा दिन सिमरण करना वन्डर लगता
है। वो लोग तो हैवनली गाड फादर कहते भी हैं। भारतवासियों का कोई रैक्यूरेट अक्षर है नही। अभी तुम
समझते हो माया क्या क्या बना देती है। एकदम बुद्धू है। जो वर्थ अपाउन्ड थे वो वर्थ अपेनी बन जाते है।
तो यह ल न् के चित्र बना कर तैयार करने चाहिये। शिव जयन्ती पर बाबा सबको सौगात देंगे। इसपर सब
झाना बहुत सहज है। भारत अब स्वर्ग बन रहा है। शंकर दवारा पुरानी दुनिया का विनाश होना है। कितना
अछी समझानी है। पता नही मनुष्यों की बुधी में क्यों नही बैठता है। समय भी 10वर्ष का दिया है।आगे
बढ़ते ही जावेंगे। भंभोर को आग लगेगी। रावण राज्य तो ज़रूर खलास होना चाहिये नां। यज्ञ में भी प्योअर
ब्राहमण चाहिये नां। यह बड़ा भारी यज्ञ है। सारे विश्व में प्योअरटी लानी है। ब्रहमा भी मैलब्रहमा की औलाद
कहलाते है परन्तु है तो कुवंशावली। ब्रहमा की सन्तान तो पवित्र मुखवंशावली थे नां। तो इनको भी समझाना है।
रही हुईपुआईन्टस:-8-1-1967:-यह मनुष्य से देवता बनने की कितनी बड़ी यूनिवरसिटी है। गवर्मेन्ट से भी ि
****
कितना माथा मारना पड़ता है। पूछेंगे तुम्हारा खर्चा कैसे चलता है? अरे:- ब्रहमा कुमार कुमारियां इतने ढेर
बच्चे है। तुम खर्चा पूछने आये हो। बोर्ड पर देखा है कि क्या लिखा हुआ है? बड़ी वन्डरफुल नालेज है।
बाप भी वन्डरफुल है नां। राहूं रमज़ बाज़ का नाम सुना है। बच्चों को भी रहूं रमज़ बाज बनाते है। विश्व
के मालिक तुम कैसे बनते हो? शिव बाबा को कहेंगे श्री= श्री-2,ऊंच ते ऊंच है नां। ल न्. को कहेंगे श्री
लक्ष्मी,श्रीनारायण। यह अछी रीत धरण करने की बाते है। बाप कहते है मैं तुमको राज योग सिखाता हूं।
यह है सची-2अमर कथा। सिर्फ एक पारवती को ही थोड़ेई अमरकथा सुनाईहोगी। कितने ढेर मनुष्यअमरनाथ
पर जाते है। है सब ठगी। बच्चे बाप के सम्मुख आयें [illegible] होंगे। फिर सबको समझाना रिफरेश करना है।
सेन्टर खोलने है। बाप कहते है तीन पैर पृथ्वी का लेकर हास्पिटल कम यूनिवरसिटी खोलनी है। इसमें खर्चा
तो कुछ भी है नही। हैल्थ वैल्थ और हैपीनेस एक सैकिंड में मिल जाती है। बच्चा बना और वारस हुआ। तुमको
भी निश्चय हुआ और विश्व के मालिक बनें।फिर है पुरुषार्थ पर मदार।अछाओम शान्ती. बच्चों को प्यार
10-1-67एक ही घर में स्त्री ब्राहमणी बनती है,तो पति बुद्धू।बच्चा ब्राहमण तो बाप बुद्धू।तो घर में बहुत
घोटाला पड़ जाता है। घर में भी बड़ा युक्ति से रहना है।बाप के ऊपर बहुत रैपान्सीबुल्टी है।मोह भी जब
टूटे।तब है बात। बच्चा अगर बाप की आज्ञा नां मानता तो वो बच्चा नही,वो कपूत है।भूंक बसर कहा जाता
है नां।वो तो जाकर बसर का भूंक बनेंगे।भूंक को फूंका जाता है।जो बसर अंर्थात काम के है वो देवता बन जाते
है।बाकी भूंक सब खतम हो जावेंगे।कन्याओं को तो बहुत खड़ा होना चाहिये।कन्यापवित्र होती है।पतित
बनी तो फिर पावन बनने में बड़ी मुशकलात होगी।इसलिये कन्याओं पर जोर ज्ञाती दिया जाता है। कन्यायें
ज्ञाती पास होती है। बच्चों को परापरटी का मोह रहता है।इसके लिये बाप युक्ति बताते है।परापरटी तुम
क्यों गवाते हो।जिस समय ब्राहमण उनको कहता है पति तुम्हारा गुरू ईश्वर हैउनकी आज्ञा पर चलना है।
तो उससमय लिखवा लेना चाहिये।ज़बान पर तो आजकल भरोसा नही है।जिस समय हथियाला बांधे तो
लिखवा लेना चाहिये फिर स्त्री कहां जावेगी।आज्ञा पर चलो नही तो भागो बाप के पास।स्त्री को तो आज्ञा
पर चलनाही है। यह ज्ञान बड़े मजे का है।इसको अछी रीत धारण करना है।ऐसे नही कि बाप से सुनाफिर
यहां की यहां रही।कहते है साथ ले जाओ।तुम बच्चों को स्वर्ग में ले जाते है।बाकी सबको मुक्ति।यह महाभारत
लड़ाई मुक्ति जीवन मुक्ति के गेटस खोलती है।इन सब बातों को पहले थोड़ेई समझते थे।अब बाप ने समझाया
है तब समझते है। अछा मीठे-2सिकीलधे रूहानी आज्ञाकारी ,सपूत ,फरमानबरदार,सर्विसएबुल बच्चों को सब
मधुबन निवासियों सहित आज बुधवार के दिन मात पिता बाप दादा का याद्यार,ओम शान्ती नमस्ते,ओम